



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-10-2025

औरैया(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-10-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-10-18	2025-10-19	2025-10-20	2025-10-21	2025-10-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	33.0	34.0	33.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	20.0	20.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	71	69	69	70	71
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	44	44	46	62	57
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	2	4	3	3
पवन दिशा (डिग्री)	342	59	73	360	16
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	2	3
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले तीन दिन आसमान साफ़ रहेगा और शेष दिन बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 32.0-33.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 20.0-22.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 69-72% और 32-49% के बीच रहेगी। हवा की दिशा पूर्व, दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व है और हवा की गति 2.0-5.0 किमी/घंटा के बीच रहेगी, हवा की गति 1-2 किमी/घंटा सामान्य रहने की संभावना है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले तीन दिन आसमान साफ़ रहेगा और शेष दिन बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 32.0-33.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 20.0-22.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 69-72% और 32-49% के बीच रहेगी। हवा की दिशा पूर्व, दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व है और हवा की गति 2.0-5.0 किमी/घंटा के बीच रहेगी, हवा की गति 1-2 किमी/घंटा सामान्य रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, इस सप्ताह मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, इस सप्ताह मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिचाई का कार्य करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई एवं बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। पशुओं को मच्छरों से बचाव हेतु पशु बाड़ी में धुआँ करें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिचाई का कार्य करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई एवं बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। पशुओं को मच्छरों से बचाव हेतु पशु बाड़ी में धुआँ करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों की कटाई/मड़ाई तथा रबी की फसलें जैसे-चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी, आलू एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसलें जैसे - चना, मटर, मसूर, सरसों व अलसी आदि की बुवाई बीजोपचार करने के उपरान्त ही करें। किसानों को सड़क पार करने के लिए जल्दबाजी न करें और यह भी ध्यान रखें कि अपने जानवर को सड़क से न गुजरने दें। धान की 85% सुनहरे रंग की दिखाई दे तो फसल की कटाई करें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों की कटाई/मड़ाई तथा रबी की फसलें जैसे-चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी, आलू एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसलें जैसे - चना, मटर, मसूर, सरसों व अलसी आदि की बुवाई बीजोपचार करने के उपरान्त ही करें। किसानों को सड़क पार करने के लिए जल्दबाजी न करें और यह भी ध्यान रखें कि अपने जानवर को सड़क से न गुजरने दें। धान की 85% सुनहरे रंग की दिखाई दे तो फसल की कटाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा रबी फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।
किसानों को सलाह दी जाती है कि वे परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा रबी फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की बालियाँ 85% सुनहरे रंग दिखाई देने लगे तो फसलों की कटाई करें तथा कटाई के पश्चात लॉक को धूप में सुखाकर मड़ाई का कार्य साफ मौसम पर करें। वर्तमान मौसम कीटों के लिए अनुकूल है अतः धान की फसल में फूल आने के बाद औसतन 2-3 गन्धी कीट /हिल दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोरोप्रिड 17.8% एस एल की 350 मिली/हेक्टेयर या बुरफोजिन 25 % एस पी 750 मिली/हेक्टेयर की दर से 500 -600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम में करें।
मूँगफली	मूँगफली के फसलों की खुदाई तभी करे जब छिलके के ऊपर की नसें उभर आयें तथा भीतरी भाग काल्यई रंग की हो जाय और मूँगफली का दाना गुलाबी हो जाय। मूँगफली की खुदाई के बाद फलियों को धूप में अच्छी तरह सुखाकर भण्डारण करें।
रेपसी ड	तोरिया फसल की बुवाई के 20-22 के अन्दर निराई - गुड़ाई करने के साथ ही पौध से पौध की आपसी दूरी 10 - 15 सेंटीमीटर कर दे। तोरिया की फसल में आरा मक्खी एवं बालदार सुण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर अथवा क्यूनालफॉस 25 ई सी 1.25 लीटर /हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
सरसों	राई/सरसों की संस्तुति प्रजातियाँ- पूसा सरसों-34, पूसा सरसों-32, सी - 5-64 (सीएस2005-143), पूसा ओओएम-36 (पीडीजेड-15), बीएमपी-II (डीआईएमआर), आजाद महक, सुरेखा (केएमआर-16-02), वरुणा, रोहिणी, नरेंद्र राई- 8501, माया, वैभव आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 3-4 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई के कार्य के लिए मौसम अनुकूल हैं।
चना	चना के फसल की संस्तुति प्रजातियाँ- अवरोधी, पूसा-256, पूसा-362, के डब्लू आर-108, के -850, के डी जी -1168 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई करें तथा छोटे दानों का बीज 75-80 किलोग्राम एवं बड़े दानों की प्रजाति के लिए 90-100 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई का कार्य करें।
चावल	धान की बालियाँ 85% सुनहरे रंग दिखाई देने लगे तो फसलों की कटाई करें तथा कटाई के पश्चात लॉक को धूप में सुखाकर मड़ाई का कार्य साफ मौसम पर करें। वर्तमान मौसम कीटों के लिए अनुकूल है अतः धान की फसल में फूल आने के बाद औसतन 2-3 गन्धी कीट /हिल दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	इमिडाकोलोरोप्रिड 17.8% एस एल की 350 मिली/हेक्टेयर या बुरफोजिन 25 % एस पी 750 मिली/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम में करें।
मूँगफली	मूँगफली के फसलों की खुदाई तभी करे जब छिलके के ऊपर की नसें उभर आये तथा भीतरी भाग कट्यई रंग की हो जाय और मूँगफली का दाना गुलाबी हो जाय। मूँगफली की खुदाई के बाद फलियों को धुप में अच्छी तरह सुखाकर भण्डारण करें।
रेपसी ड	तोरिया फसल की बुवाई के 20-22 के अन्दर निराई - गुड़ाई करने के साथ ही पौध से पौध की आपसी दूरी 10 - 15 सेंटीमीटर कर दे। तोरिया की फसल में आरा मक्खी एवं बालदार सुण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर अथवा क्यूनालफॉस 25 ई सी 1.25 लीटर /हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
सरसों	राई/सरसों की संस्तुति प्रजातियाँ- पूसा सरसों-34, पूसा सरसों-32, सी - 5-64 (सीएस2005-143), पूसा ओओएम-36 (पीडीजेड-15), बीएमपी-II (डीओएमआर), आजाद महक, सुरेखा (केएमआर-16-02), वरुणा, रोहिणी, नरेंद्र राई- 8501, माया, वैभव आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 3-4 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई के कार्य के लिए मौसम अनुकूल हैं।
चना	चना के फसल की संस्तुति प्रजातियाँ- अवरोधी, पूसा-256, पूसा-362, के डब्लू आर-108, के -850, के डी जी -1168 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई करें तथा छोटे दानो का बीज 75-80 किलोग्राम एवं बड़े दाने की प्रजाति के लिए 90-100 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई का कार्य करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की मुख्य किस्में जैसे-कुफरी बहार, कुफरी आनंद, कुफरी बादशाह, कुफरी सिन्दुरी, कुफरी सतलज, कुफरी लालिमा, कुफरी अरूण, कुफरी सदाबहार और कुफरी पुखराज, कुफरी गरिम, कुफरी लिमा, कुफरी ललित, कुफरी संगम, कुफरी नीलकंठ, कुफरी गंगा, कुफरी थार- 3, कुफरी मोहन, कुफरी नीलकंठ, कुफरी सूर्या, कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी चिप्सोना-4 और कुफरी फ्राईसोना आदि की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। आलू के फसल में चेचक रोग से बचाव हेतु कन्दो को 100 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लीन या बोरिक एसिड को 10 लीटर पानी में घोल बनाकर बीज पर छिड़काव करे तथा अंकुरित बीज को उपचारित न करे।
सब्जी पीईए	सब्जी मटर, सौफ, अजवाइन, चुकन्दर, लहसुन, धनिया, पालक, सोया, मेथी, मूली, गाजर, शलजम एवं पत्तेदार सब्जियों की बुवाई करें। टमाटर, प्याज, मिर्च, फूलगोभी एवं पत्तागोभी की नर्सरी डालें। यदि खेत में पानी रुकने की संभावना है तो फूलगोभी, बैंगन, टमाटर, मिर्च आदि की रोपाई मेडों पर करें। सब्जियों की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की 1.5 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अंतराल पर आसमान साफ होने पर करे।
पपीता	नए बागो में नष्ट हुए पौधों के स्थान पर नए पौधों की रोपाई करे। केले/पपीते के बागो की गुड़ाई-करके तने के चारो तरफ 25-30 सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे स्टेंडिंग करे। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु 2%कार्बेरिल 1.5 % धूल का बुरकाव करें।
आलू	आलू की मुख्य किस्में जैसे-कुफरी बहार, कुफरी आनंद, कुफरी बादशाह, कुफरी सिन्दुरी, कुफरी सतलज, कुफरी लालिमा, कुफरी अरूण, कुफरी सदाबहार और कुफरी पुखराज, कुफरी गरिम, कुफरी लिमा, कुफरी ललित, कुफरी संगम, कुफरी नीलकंठ, कुफरी गंगा, कुफरी थार- 3, कुफरी मोहन, कुफरी नीलकंठ, कुफरी सूर्या, कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी चिप्सोना-4 और कुफरी फ्राईसोना आदि की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। आलू के फसल में चेचक रोग से बचाव हेतु कन्दो को 100 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लीन या बोरिक एसिड को 10 लीटर पानी में घोल बनाकर बीज पर छिड़काव करे तथा अंकुरित बीज को उपचारित न करे।
सब्जी पीईए	सब्जी मटर, सौफ, अजवाइन, चुकन्दर, लहसुन, धनिया, पालक, सोया, मेथी, मूली, गाजर, शलजम एवं पत्तेदार सब्जियों की बुवाई करें। टमाटर, प्याज, मिर्च, फूलगोभी एवं पत्तागोभी की नर्सरी डालें। यदि खेत में पानी रुकने की संभावना है तो फूलगोभी, बैंगन, टमाटर, मिर्च आदि की रोपाई मेडों पर करें। सब्जियों की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की 1.5 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अंतराल पर आसमान साफ होने पर करे।
पपीता	नए बागो में नष्ट हुए पौधों के स्थान पर नए पौधों की रोपाई करे। केले/पपीते के बागो की गुड़ाई-करके तने के चारो तरफ 25-30 सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे स्टेंडिंग करे। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु 2%कार्बेरिल 1.5 % धूल का बुरकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्भवती भैंसों/गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। गर्भवती भैंसों/गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें तथा पशुओं को डास मक्खी और मच्छर से बचाव करें। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए टीका लगवायें। इस रोग से ग्रसित पशुओं के घाव को पोटैशियम परमैंगनेट से धोएं। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को तालाबों या अन्य जगह के रुके हुए पानी को न पिलाये, इससे पशुओं को लीवर फ्लू व पेट के कीड़े होने की संभावना रहती है। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें।
भैंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्भवती भैंसों/गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। गर्भवती भैंसों/गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें तथा पशुओं को डास मक्खी और मच्छर से बचाव करें। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए टीका लगवायें। इस रोग से ग्रसित पशुओं के घाव को पोटैशियम परमैंगनेट से धोएं। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को तालाबों या अन्य जगह के रुके हुए पानी को न पिलाये, इससे पशुओं को लीवर फ्लू व पेट के कीड़े होने की संभावना रहती है। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करें। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। अंडे के लिए नये चूजें द्वारा मुर्गियों को पालने के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है परंतु ब्रायलर मुर्गियों के लिए यह समय उपयुक्त है। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। पानी का क्लोरीनेशन अवश्य करें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों के मारने के लिए (डिडिमिंग) की दवा दें। मुर्गीखाने को सूखा रखें तथा बिछावन को पलटते रहें।
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करें। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। अंडे के लिए नये चूजें द्वारा मुर्गियों को पालने के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है परंतु ब्रायलर मुर्गियों के लिए यह समय उपयुक्त है। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। पानी का क्लोरीनेशन अवश्य करें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों के मारने के लिए (डिडिमिंग) की दवा दें। मुर्गीखाने को सूखा रखें तथा बिछावन को पलटते रहें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, इस सप्ताह मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।
भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, इस सप्ताह मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई का कार्य करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई एवं बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। पशुओं को मच्छरों से बचाव हेतु पशु बाड़ी में धुआँ करें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई का कार्य करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई एवं बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। पशुओं को मच्छरों से बचाव हेतु पशु बाड़ी में धुआँ करें।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightning.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>